Micro Economics. 4 अध्याय 

BA - I (Hons)

# उपभोक्ता की बचत
# (Consumer's Surplus)

Dr. Dineshwar Paswan
Assistant professor
Deptt. of Economics
mobile No:- 9973592631

उपभोक्ता के आर्थिक कल्याण की दृष्टि से उपभोक्ता की बचत का अपना एक विशेष महत्व है। इस सिद्धांत की कल्पना सर्वप्रथम सन् 1844 में एक फ्रांसीसी अर्थशास्त्री एवं इंजीनियर आर. जे. ड्यूपिट (R.J. Dupit) द्वारा की गई थी। इसके बाद प्रो० मार्शल ने इस धारणा का वैज्ञानिक विश्लेषण 1890 ई० में 'Principles of Economics' में किया। मार्शल ने इसे 'उपभोक्ता का लगान' (Consumer's Rent) तथा बाद में 'उपभोक्ता की बचत' (Consumers Surplus) के नाम से पुकारा गया और आधुनिक अर्थशास्त्री इसे 'क्रेता की बचत' (Buyer's Surplus) के नाम से भी जाना जाता है। मार्शल के बाद प्रो० हिक्स ने इस विचार को 'तटस्थता वक्र' की सहायता से प्रस्तुत किया है।

उपभोक्ता की बचत के संदर्भ में विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने भिन्न-2 ढंग से परिभाषित किया है जो इस प्रकार है: —

(1) प्रो० मार्शल के अनुसार, "किसी वस्तु के उपभोग से वंचित रहने की अपेक्षा उपभोक्ता जो कीमत देने के लिए तैयार रहता तथा वास्तव में, जो कीमत देता है, उसके अंतर को 'उपभोक्ता की बचत' कहते हैं।"

(2) प्रो० जे.के. मेहता के अनुसार, "किसी वस्तु से मनुष्य जो उपभोक्ता की बचत प्राप्त करता है, वह उस वस्तु से मिलनेवाली संतुष्टि तथा उसे प्राप्त करने के लिए त्यागी गई संतुष्टि का अंतर है।"

(3) पैन्सन के अनुसार, "हम जो कुछ देने को तैयार रहेंगे और जो हमें देना होता है, इन दोनों के अंतर को उपभोक्ता की बचत कहा जाता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर उपभोक्ता की बचत की सरलतम परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है — "उपभोक्ता किसी वस्तु या सेवा के उपभोग से वंचित रहने की अपेक्षा उस वस्तु या सेवा के लिए जो मूल्य दे सकता है और जो मूल्य वास्तव में वह देता है, उन दोनों का अंतर ही 'उपभोक्ता की बचत' है।" संक्षेप में,

उपभोक्ता की बचत = कीमत जो हम देने को तैयार हैं — कीमत जो हम वास्तव में देते हैं।
50 रु. — 10 रु.

उपभोक्ता की बचत = 50 − 10 = 40 रु. कुल बचत हुआ

→ P.T.O

Scanned with CamScanner

उदाहरण द्वारा स्पष्टीकरण (For example) :- उपभोक्ता की बचत का स्पष्टीकरण एक उदाहरण द्वारा किया जा सकता है। मान लीजिए, एक व्यक्ति बाजार से सेब खरीदता है, प्रत्येक सेब की कीमत 10 पैसे है।

निम्नांकित सारणी 1 से सेबों की इकाईयों, उनसे प्राप्त उपभोक्ता की बचत का ज्ञान होता है :-

सारणी 1 - सेबों से प्राप्त उपभोक्ता की बचत :-

| सेबों की इकाईयाँ | वह कीमत जो उपभोक्ता देने को तैयार है (पैसों में) | बाजार की कीमत (पैसों में) | उपभोक्ता की बचत (पैसों में) |
|---|---|---|---|
| 1 | 50 | 10 | 50-10 = 40 |
| 2 | 40 | 10 | 40-10 = 30 |
| 3 | 30 | 10 | 30-10 = 20 |
| 4 | 25 | 10 | 25-10 = 15 |
| 5 | 20 | 10 | 20-10 = 10 |
| 6 | 10 | 10 | 10-10 = 0 |
| | 175 | 60 | 175-60 = 115 |

कुल उपभोक्ता की बचत 115 पैसे हुआ।

चित्र :- 01 में

रेखाचित्र द्वारा स्पष्टीकरण :-

चित्र :- 1 से स्पष्ट है कि उपभोक्ता को प्रथम एवं पाँच सेबों की बचत प्राप्त होती है। पहले सेब से (50-10) = 40 उपभोक्ता की बचत प्राप्त होती है। दूसरे सेब से (40-10) = 30, तीसरे सेब से (30-10) = 20 चौथे सेब से (25-10) = 15 औ पाँचवें सेब से (20-10) = 10 उपभोक्ता को बचत प्राप्त होती है। छठें सेब से उसे कुछ भी उपभोक्ता की बचत प्राप्त नहीं होती है।

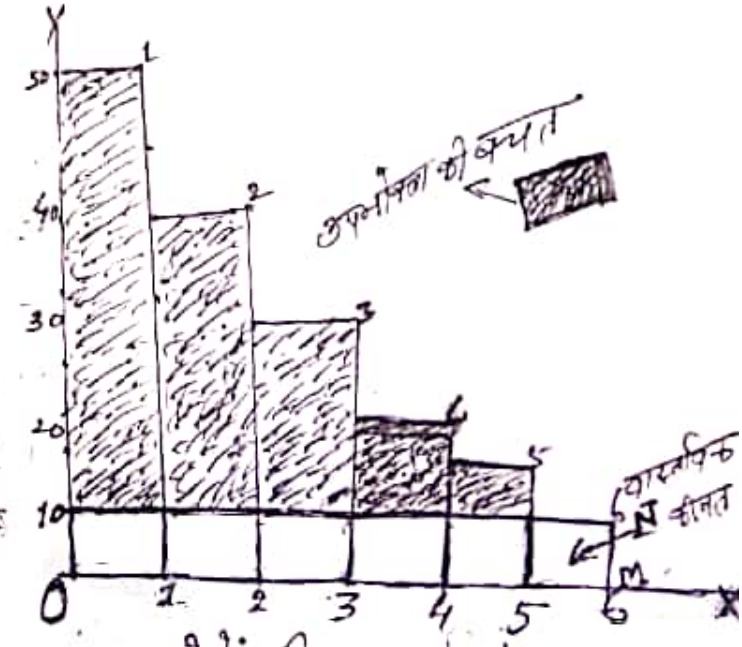


चित्र 1 में NM अर्थात् 10 पैसे की कीमत को उपभोक्ता वास्तव में देता है। NM के ऊपर जो आयत बने हुए हैं, वे उपभोक्ता की बचत को दर्शाता है।

2020-3-30 11:17

Scanned with CamScanner